M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-IV

MASOC44 - Sociology of Religion

P. Pages : 3 | **GUG/S/25/16284**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the concepts of the sacred and the profane and their significance in religious practices. **16**

OR

Critically analyze Durkheim's perspective on religion.

2. Evaluate the role of secularism in maintaining harmony in a multi-religious society like India. **16**

OR

Explain the contribution of religious organizations to social cohesion and conflict in India.

3. Write short answer on **any two** of the following. **16**

a) Nature of religion.

b) Max Weber's perspective on the relationship between religion and social change.

c) Nature of religious organizations.

d) Characteristics of Fundamentalism.

4. Write short answer on **any two** of the following. **16**

a) Importance of religion in society.

b) Sociological perspective on Religion.

c) Types of religious organizations.

d) Functions of secularism.

5. Write short notes on each of the following. **16**

a) Functions of magic.

b) Weber's concept of the "Protestant Ethics".

c) Functions of religious organizations.

d) Religious pluralism.

****

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-IV

MASOC44 - Sociology of Religion

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. पवित्र आणि अपवित्र या संकल्पना समजावून सांगा आणि धार्मिक पध्दतींमधील त्यांचे महत्व स्पष्ट करा? **16**

किंवा

धर्माच्या भूमिकेबाबत दुर्खीमच्या दृष्टिकोनाचे समीक्षात्मक विश्लेषण करा.

2. भारतासारख्या बहुधार्मिक समाजात सौहार्द राखण्यात धर्मनिरपेक्षतेची भमिकेचे मूल्यांकन करा. **16**

किंवा

भारतात सामाजिक सुसंगतता आणि संघर्षात धार्मिक संघटनेचे योगदान स्पष्ट करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची थोडक्यात उत्तरे लिहा. **16**

अ) धर्माचे स्वरूप

ब) मॅक्स वेबरचा धर्म आणि सामाजिक बदल यांच्यातील संबंधावरील दृष्टिकोन

क) धार्मिक संघटनाचे स्वरूप

ड) मूलतत्ववादाचे वैशिष्ट्ये

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची थोडक्यात उत्तरे लिहा. **16**

अ) समाजातील धर्माचे महत्व

ब) धर्मावरील समाजशास्त्रीय दृष्टिकोन

क) धार्मिक संघटनांचे प्रकार

ड) धर्मनिरपेक्षतेचे कार्य

5. खालीलपैकी प्रत्येक प्रश्नांचे थोडक्यात उत्तरे लिहा. **16**

अ) जादूची कार्ये

ब) वेबरची "प्रोटेस्टंट नीतिशास्त्र" ची संकल्पना

क) धार्मिक संघटनांची कार्ये

ड) धार्मिक बहुलवाद

****

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-IV

MASOC44 - Sociology of Religion

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. पवित्र और अपवित्र की अवधारणाओं को समझाएं और धार्मिक प्रथाओं में उनके महत्व को स्पष्ट करें। **16**

अथवा

धर्म की भूमिका पर दुर्खीम के दृष्टिकोण का समालोचनात्मक विश्लेषण किजिए।

2. भारत जैसे बहुधार्मिक समाज में सद्भाव बनाए रखने में धर्मनिरपेक्षता की भूमिका के मूल्यांकन किजिए। **16**

अथवा

भारत में सामाजिक एकजुटता और संघर्ष में धार्मिक संघटनके कैसे योगदान देते है?

3. निम्नलिखित **किन्ही दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) धर्म की प्रकृति।

ब) मैक्स वेबर का धर्म और सामाजिक परिवर्तन के बीच संबंध पर दृष्टिकोण

क) धार्मिक संगठनों की प्रकृति।

ड) कट्टरवाद की विशेषताएं।

4. निम्नलिखित **किन्ही दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) समाज में धर्म का महत्व

ब) धर्म पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोन

क) धार्मिक संगठनों के प्रकार।

ड) धर्मनिरपेक्षता के कार्य।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) जादू के कार्ये।

ब) वेबर की "प्रोटेस्टेंट नैतिकता" की अवधारणा।

क) धार्मिक संगठनों के कार्य

ड) धार्मिक बहुलवाद

****